jkt/kkuh ls idkf'kr

अंदाज-ए-लखनऊ

RNI NO. UPHIN/2010/33668

fgUnh lkIrkfgd

वर्ष-11 अंक-27 लखनऊ, शुक्रवार 19 फरवरी 2021 पृष्ठ : 8 मूल्य-1.00 रूपया

निर्मल और अविरल होकर रहेंगी गंगा, भक्तिभाव जगाने की जरूरत: मोहन भागवत

प्रयागराज-प्रयागराज माघ मेला क्षेत्र स्थित विश्व हिंदू परिषद के शिविर में गंगा समग्र के कार्यकर्ता संगम आयोजित हो रहा है। इसमें शनिवार की सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि गंगा निर्मल और अविरल होकर रहेंगी। उनका कहना था कि इसके लिए लोगों में सिर्फ भक्तिभाव जगाना होगा। आरएसएस प्रमुख ने लोगों को संबोधित करते हुए गंगा आरती की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि गंगा की निर्मलता के लिए जागरूकता की आवश्यकता है। इसके लिए लोगों में भक्तिभाव जागृत करने के लिए गंगा आरती होनी चाहिए। कहा कि लोगों में गंगा के प्रति भक्ति भाव आरती के माध्यम से आएगा। इसलिए गंगा किनारे के गांव में आरती अनिवार्य रूप से कराई जाए। जब भक्तिभाव जाग्रत होगा तो मन में यह भाव भी आएगा कि काम होगा और होकर रहेगा। ठीक उसी तरह जिस तरह राम मंदिर बनने को लेकर यह नहीं स्पष्ट था कि कब बनेगा, लेकिन मन में निश्चय था कि यह काम होकर रहेगा। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्रातरूकालीन सत्र में विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों से उनके कार्यों का विवरण सुना। पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती भी इस आयोजन में शामिल हुई।

अखिलेश यादव ने उठाया सवाल, कहा, यूपी के नहीं हैं योगी आदित्यनाथ बाहर से आये हैं

लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के रहने वाले नही हैं,वह दूसरे प्रदेश से आये हैं लेकिन फिर भी यहां की जनता ने उन्हें स्वीकार किया है और प्रदेश की जनता को उन्हें धन्यवाद देना चाहिये। अखिलेश ने कहा, ''मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि 'अन्नदाता की खुशहाली दलालों को रास नहीं आ रही है, इतना बड़ा धोखा और इतना बड़ा झूठ, कोई सदन में बोल सकता है, मैं उनसे जानना चाहता हूं कि उनकी सरकार ने कितने किसानो को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलवा पायी है। उन्होंने कहा,''मै उनसे जानना चाहता हूं कि क्या उनकी सरकार गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, संतकबीर नगर, बस्ती, गोंडा और फैजाबाद जिलों में किसानों को क्या धान की एमएसपी दिला पायी है, किसी जिले में किसानों को दिला पाये है। पूरे उप्र में किस किस किसान को कितना एमएसपी दिया गया है,हम जानना चाहते है कि धान की क्या कीमत दी है आपने। गौरतलब है कि शुक्रवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, ''अन्नदाता किसान को धोखा देकर दलाली करने वाले लोग आज जरूर इस बात को लेकर चिंतित हैं कि पैसा सीधे उनके (किसानों) खातों में क्यों जा रहा है। आज तो पर्ची भी किसानों के स्मार्ट फोन पर प्राप्त हो रही है। घोषित दलाली का जो जरिया था वह भी समाप्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सदन से बहिर्गमन कर रहे सदस्यों की ओर इशारा करते हुए कहा था ये है वास्तविकता, ये है सच्चाई- ये सच्चाई इस बात को बताती है कि प्रतिपक्ष का हमारे अन्नदाता किसानों से कोई लेना देना नहीं है। अखिलेश ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में कहा, ''मुख्यमंत्री उप्र के रहने वाले नही है, वह दूसरे प्रदेश से आये हैं लेकिन फिर भी यहां की जनता ने स्वीकार किया है और उन्हें प्रदेश की जनता को धन्यवाद देना चाहिये। उन्होंने दावा किया,''इस सरकार ने झूठ कहा कि गन्ना किसानों को सबसे अधिक भुगतान भाजपा सरकार में हुआ। उन्हें इसका सबूत देना चाहिए। इस सरकार ने अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दी।

राज्य सरकार पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दे: बाबू लाल मरांडी

लोहरदगा पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी लोहरदगा दौरे के दूसरे दिन प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित किया. श्री मरांडी ने कहा कि चमोली की घटना बहुत ही दुखद है, परिवार जनों को कैसे मदद मिले. इसके लिए हम प्रयास करेंगे. राज्य सरकार को इन परिस्थितियों में आर्थिक सहायता करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को प्रत्येक पीड़ित परिवार के परिजन को पांच लाख रुपया देना चाहिए. चूंकि यह क्षेत्र कृषि आधारित क्षेत्र है. यहां खेती आधारित जो भी सुविधाएं हो सकती हैं, उसे सुदृढ़ करने की जरूरत है. रोजगार आधारित व्यवस्था भी करनी चाहिए. बेटहट के सभी लोग रोजगार के तलाश में पलायन किये थे. इसी बीच आपदा आयी और लोगों को काल के गाल में समा लिया. वर्तमान वैश्विक महामारी के समय भी लोग पलायन किये. यह कहीं न कहीं राज्य सरकार की कमियां हैं. राज्य सरकार अपने वादों को पूरा नहीं कर पा रही है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एक साल का कार्यकाल की चर्चा न करें, तो बेहतर है. क्योंकि एक साल में राज्य सरकार कोई ठोस व्यवस्था नहीं कर पायी है. लोगों को रोजगार देने में अक्षम सरकार में लोग पलायन करने को मजबूर हैं और हादसे के शिकार हो रहे हैं. लोहरदगा क्षेत्र खनिज के नाम से जाना जाता है, लेकिन यहां के लोगों के लिए राज्य सरकार रोजगार की कोई व्यवस्था नहीं कर रही है. खनिज से मिलनेवाली आय सरकार दबाकर रखी हुई है. वर्तमान समय में राज्य में चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएं भी चरम सीमा पर हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड में एक वर्ष में लगभग 15100 से ऊपर घटनाएं हुई हैं. इसमें से 600 जनजाति समाज तथा 400 दलित समाज के लोग शामिल हैं. यह चिंतनीय विषय है. अंचल एवं थाना में तमाम समस्याएं हैं. यहां अराजक स्थिति है. दोनों विभाग मुख्यमंत्री के पास हैं. बावजूद इसके व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो पा रही है.

महबूबा ने पाकिस्तान से बातचीत का किया आह्वान

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमलों में तीन पुलिसकर्मियों के शहीद होने के एक दिन बाद शनिवार को पीडीएफप्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र से पाकिस्तान के साथ बातचीत करने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय लोगों को भी संवाद में शामिल करने की मांग की। पीडीपी प्रमुख कश्मीर में अनंतनाग जिले के लोगरीपोरा ऐशमुकाम इलाके में स्थित दिवंगत कांस्टेबल सुहैल अहमद के घर गईं और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। अहमद जम्मू-कश्मीर पुलिस में कांस्टेबल थे और श्रीनगर शहर के बाघाट इलाके में शुक्रवार को हुए आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे। इस हमले में अहमद के अलावा एक अन्य पुलिस कर्मी भी शहीद हुआ था जबकि बडगाम जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हुआ था। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले स्थित बडीगाम में हुए मुठभेड़ में तीन आतंकवादी भी मारे गए थे। शहीद पुलिस कर्मी के परिवार से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में महबूबा ने केंद्र से पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ संवाद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार को यह सोचना चाहिए कि आखिकार कबतक जम्मू-कश्मीर के लोग, उसके पुलिस कर्मी एवं युवा अपने जान की कुर्बानी देना जारी रखेंगे। महबूबा ने कहा, ''यह (कश्मीर मुद्दा) बड़ा मुद्दा है और इस मुद्दे का समाधान होना चाहिए ताकि जम्मू-कश्मीर में खूनखराबा बंद हो और यहां लोग शांति से रह सके।'' जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में कम से कम हिंसा बंद करने के लिए संवाद शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार विचार करे और संवाद प्रक्रिया शुरूकरे ताकि खून खराबा बंद हो। हमारे कब्रिस्तान भर गए हैं।'' महबूबा ने कहा, ''संवाद प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए- चाहे (लोगों से) यहां हो या पाकिस्तान से क्योंकि वे अकसर कहते हैं कि पाकिस्तान यहां हिंसा फैलाता है। हिंसा रोकने के लिए कम से कम संवाद प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम के स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर वहां के लोगों को बधाई दी और दोनों राज्यों की संस्कृति तथा परंपरा की सराहना की। दोनों राज्यों का गठन 20 फरवरी, 1987 को हुआ था। मोदी ने ट्वीट किया, ''अरुणाचल प्रदेश के लोगों को राज्य स्थापना दिवस के मौके पर बधाई। इस राज्य के लोगों को उनकी संस्कृति, साहस और भारत के विकास की दिशा में मजबूत प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। कामना है कि अरुणाचल प्रदेश प्रगति की नयी ऊंचाइयों को हासिल करे। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''मिजोरम के स्थापना दिवस पर वहां

रहने वाले बहनों और भाइयों को मेरी शुभकामनाएं। समूचे देश को अनूठी मिजो संस्कृति पर गर्व है। मिजोरम के लोगों को उनकी दयालुता और विनम्र स्वभाव के लिए जाना जाता है। राज्य के निरंतर विकास की कामना करता हूं। पीएम मोदी के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर यहां के लोगों को बधाई दी। शाह के कहा कि उगते सूरज की भूमि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और देशभक्ति की भावना केलिए जानी जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी ट्वीट कर राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी।

सनातन रक्षादल ने किया निराला नगर प्रतिष्ठित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में अनुष्ठान

मनोज मिश्रा

लखनऊ - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महती मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर शनिवार 20 फरवरी को पहली बार पंच कन्याओं का पूजन किया गया। सनातन रक्षादल की ओर से निराला नगर स्थित प्रतिष्ठित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में यह अनुष्ठान आचार्यों की उपस्थिति में किया गया।

सनातन रक्षादल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल की अगुआई में देवी स्वरूपा कन्या, कनक तिवारी, राशी मिश्रा, अनूठी तिवारी, अनोखी तिवारी, प्रर्थना तिवारी का पूजन कर उन्हें वस्त्र आदि भेंट कर सम्मानित किया गया। अभिषेक ने बताया कि इस अनुष्ठान का उद्देश्य समाज को बेटी सम्मान का संदेश देना है। उनके अनुसार चार पीढ़ी पहले गोपालदास बालमुकुंद अग्रवाल ने निराला नगर वाटिका में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करवायी। उनके बाद नरोत्तमदास अग्रवाल और फिर ज्वाला प्रसाद अग्रवाल ने इस मंदिर को विकसित किया। वर्तमान में आशीष अग्रवाल द्वारा वहां विविध अनुष्ठान करवाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के पारंपरिक वाद्य ढोल-दमऊ के साथ नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में आगामी सोमवारीय आरती पूजन पारंपरिक रूप से किया जाएगा।

बछरावां में श्री राम मंदिर समर्पण निधि हेतु सम्पर्क करते पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, मंड़ल अध्यक्ष भाजपा प्रवेश वर्मा,पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व नगर मंड़ल अध्यक्ष सुनील सागर महामंत्री मयंक द्विवेदी ,महादेव रैदास आदि।

रामभरोसे सीएचसी शिवगढ़ की स्वास्थ्य सुविधाएं

डॉक्टर स्टाफ और नर्सें मिली नदारत

शिवगढ़,रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में आए दिन डाक्टरों एवं स्टाफ नर्सों का नदारद रहना बिल्कुल आम बात हो गई है। ग्रामीण बोले गायब रहने वाले डाक्टरों पर हो कार्रवाई चाहिए। गौरतलब हो कि सीएचसी शिवगढ़ में 7 एमबीबीएस डॉक्टर है जिसमें 5 पुरुष और 2 महिला डॉक्टर है। वहीं 2 फार्मासिस्ट, 2 वार्ड वार्ड बॉय और 6 स्टाफ नर्सें हैं। कुल मिलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों की संख्या 60 है। शनिवार को समय 11 बजकर 56 मिनट पर महिला डॉक्टर तरन्नुम व डॉक्टर सुप्रभा तिवारी व 4 स्टाफ नर्स नदारत मिली। नाम न छापने की शर्त पर अस्पताल के ही कर्मचारियों ने बताया कि कई डॉक्टर, स्टाफ नर्स और कर्मचारियों की सेटिंग गेटिंग है। जो सप्ताह में 2-3 दिन आते हैं। जिनको कोई दिक्कत होने वाली नहीं है अधीक्षक साहब कहते हैं हम सब देख लेंगे।

इस बारे में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार गौतम से पूछा गया तो उन्होंने बताया की डाक्टर तरन्नुम नफीस बहुत पहले से ही नही आ रही हैं इन पर कई बार कार्रवाई भी की जा चुकी है। लेकिन डॉक्टर सुप्रभा तिवारी व स्टाफ नर्शो के बारे में कुछ नही बोले।

कमीशन के चक्कर में सीएचसी शिवगढ़ में लिखी जा रही बाहर की दवाएं

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में कमीशन के चक्कर में धड़ल्ले से बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। एक तरफ प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। शासन का सख्त निर्देश है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को निशुल्क दवाएं दी जाएं बाहर की दवाएं बिल्कुल न लिखी जाएं किन्तु सीएचसी शिवगढ़ में शासन की मंशा पर पानी फेरा जा रहा है। सरकार के निर्देशों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आलम यह है कि सर्दी, जुखाम, बुखार की दवाएं 500 रुपये से 1000 रुपये तक लिखी जा रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण शनिवार को देखने को मिला। बहुदा खुर्द की रहने वाली सुनीता ने बताया कि दवा लेने आए थे बाहर से दवा लिये हैं कुछ दवा अन्दर से दी गई है। तो वहीं तिवारीपुर से दवा लेने आई संगीता ने बताया कि बाहर से दवा लिखी गई थी यहां भी दी गई थी 380 की बाहर से दवा लेकर आए हैं। रामपुर निवासी चंदा ने बताया कि कुछ दवा दी जाती है और बाहर से लिखी जाती है। इसी तरह से राजरानी का कहना था कि नाम मात्र की दवाएं दी जाती हैं अधिकतर दवाएं बाहर से लिखी जाती हैं। 1 सप्ताह की दवा 400-500 की होती है। इस बारे में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ.राजेश कुमार गौतम से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि हमने सभी डाक्टरो को निर्देश दिया है की बाहर की दवाएं बिल्कुल ना लिखें। यदि कोई दवा अस्पताल में नही होती है तो बाहर की लिख दी जाती है। लेकिन यदि इस तरह दवाएं बाहर से लिखी जा रही है तो जांच कराकर दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देश के 22 प्रान्तों के बीच मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आगाज

ओलिंपिक तक ले जाने के लिए प्रेरित किया

सुजीत गुप्ता

निगोहां। निगोहां स्थित बाबू सुन्दर सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय मिक्सड मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शनिवार को आगाज हुआ। मिक्सड मर्शियल आर्ट के इस प्रतियोगिता में देश के 22 स्टेट की मार्शल आर्ट की टीमो ने हिस्सा लिया।प्रतियोगिता का शुभारंभ कानून मंत्री बृजेश पाठक द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। शुभारंभ गुजरात और यूपी के बीच हुई और देर शाम तक अन्य प्रांतों की टीमो के खिलाड़ियों के बीच क्वाटर फाइनल मैच चला। रविवार को सेमी फाइनल और फाइनल मैच होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बृजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेल कूद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में मिक्सड मार्शल आर्ट को ओलिंपिक तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। इसी के साथ मनीष शुक्ला ने अवगत कराया कि प्रदेश का यह चौथा मिक्सड मार्शल आर्ट प्रतियोगिता है।

कॉलेज परिसर में आई सभी 22 स्टेट की मार्शल आर्ट की टीमों को शुभकामनाएँ देते हुए कालेज की उपाध्यक्ष श्रीमती रीना सिंह जी ने पधारे सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया तथा भविष्य में इस तरह के आयोजन कराते रहने की प्रतिबद्धता जताई।वहीं मिक्सड मर्शियल आर्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सरीफ बापू ने बातया की हमारे देश के महाराष्ट्र, गोवा, मणिपुर, हिमांचल प्रदेश, त्रिपुरा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर, असम, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, उत्तरांचल, पंजाब, छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तराखंड,समेत 22 प्रान्तों की टीमो ने हिस्सा लिया है

दयानंद पीजी कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन

मनोज मिश्रा

बछरावां -रायबरेली ।दयानंद पीजी कॉलेज बछरावां में 66 बटालियन एनसीसी के दिशा-निर्देश पर सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली का समापन महाविद्यालय के प्रांगण में हुआ?। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि यातायात के नियमों का पालन एवं सही जानकारी से ही जीवन रक्षा हो सकती है। रैली का संयोजन एएनओ डॉ विनय सिंह ने किया। इस अवसर पर कैडेट तनु शर्मा, एकता, नैंसी , हिमांशु अमन आदि एवं महाविद्यालय से सुखबीर सिंह, प्रवीण अजय आदि उपस्थित रहे।

जब तक टीका ना लगे तब तक सावधानी बरतें- अखिलेश द्विवेदी

मोहनलालगंज क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी ने देश के कई राज्यों में कोरोना के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों को जागरूक करते हुए कहा जब तक टीका लग न जाये तब ढिलाई नही,अभी कोरोना संक्रमण खत्म नही हुआ है।इसलिए अभी सावधान और उससे बचाव रखने के लिये मास्क सेनेटाइजर का प्रयोग करते रहे है। क्योंकि इसी लापरवाही के चलते महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़,केरल मध्यप्रदेश, पंजाब में कोरोना संक्रमित मरीजो की संख्या में इजाफा हुआ है।फिलहाल मास्क लगाने से कोरोना में ही नही कई तरह के और भी लाभ है।इसलिए मास्क को अपनी आदत में ले आये।

पत्रकार का चोला पहन कर लोगो को लूटने वाले दो फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

महिला मित्र के माध्यम से फसाते थे शिकार

लखनऊ। अपने आपको पत्रकार बता कर लोगो को डरा धमका कर ब्लैकमेल कर लूट वसूली करने वाले दो फर्जी पत्रकारो को आज पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार कर प्रतिष्ठित दो न्यूज चौनलो की माईक आईडी ,प्रोफेसर से लूटा गया एटीएम कार्ड ,प्रोफेसर से लूटे गए 11 हजार रूपए मे से 5 हजार रूपए तीन अलग अलग पतो पर बने तीन आधार कार्ड ,मीडिया संस्थान द्वारा जारी एक प्रेस कार्ड एक हान्डा सिटी कार और दो अदद मोबाईल फोन बरामद किए है। पीजीआई पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर चिरैया बाग के पास से हान्डा सिटी कार में घूम रहे खजनी गोरखपुर के रहने वाले सतेन्द्र कुमर शर्मा और बेहता समदा गोसाईगंज अयोध्या के रहने वाले सौरभ सिंह को गिरफ्तार कर जब उनसे पूछताछ शुरू की गई तो पहले तो इन लुटेरे ब्लैकमेलरो ने अपने आपको पत्रकार बता कर पुलिस को अर्दब मे लेने का प्रयास किया लेकिन जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो पत्रकार के भेंष मे छुपे इन अपराधियों ने पुलिस के सामने सच बयान कर दिया। गिरफ्तार किए गए फर्जी पत्रकार अकेले नही है बल्कि इनके साथ एक महिला भी है जिसे अभी गिरफ्तार नही किया जा सका है। पुलिस के अनुसार बीती 15 तारीख को वृन्दावन के रहने वाले डाक्टर आदेश कुमार को इन फर्जी पत्रकारो की महिला मित्र ने बिमारी की बात बता कर इलाज के लिए अपने किराए के मकान मे बुलाया था जहां पहले से सतेन्द्र और सौरभ मौजूद थे। जहां प्रोफेसर डॉक्टर आदेश कुमार के कपड़े उतरवा कर उनका महिला के साथ वीडियो बनाया गया और उनके पास मौजूद 11 हजार रूपए लूट लिए और प्रोफेसर से मारपीट कर वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी कर उनसे 11 हजार रूपए भी लूटे। लुटेरो द्वारा प्रोफेसर का एटीएम कार्ड भी छीन लिया गया। प्रोफेसर आदेश कुमार की तहरीर पर पीजीआई थाने मे मुकदमा दर्ज किया गया पुलिस ने महिला के साथ मिल कर लूटपाट ब्लैकमेलिंग करने वालो की तलाश शुरू की तो आज पुलिस को कामयाबी मिल गई और पत्रकारिता को शर्मसार कर मीडिया की आड़ मे अपराध करने वाले दोनो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया एडीसीपी सै0 कासिम आब्दी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगो का एक संगठित गैंग है जिसमे इनकी महिला मित्र भी है उन्होने बताया कि सौरभ और सतेन्द्र अपने आपको पत्रकार बता कर न्यूज चौनल का माईक आईडी लोगो को दिखा कर उन पर रौब गाडने के लिए इस्तेमाल करते थे। इन्स्पेक्ट पीजीआई आशीश कुमार द्विवेदी के अनुसार प्रोफेसर से लूटे गए एटीएम कार्ड से और पैसे निकलवाने के लिए ये फर्जी पत्रकार प्रोफेसर को काल कर बुला रहे थे तभी पकड़े गए। हालाकि यहां सवाल ये उठता है कि अगर इन दोनो फर्जी पत्रकारो का पत्रकारिता से कोई सम्बन्ध फिलहाल नही है तो इनको न्यूज चौनल की माईक आईड और परिचय पत्र किसने उपलब्ध कराया कही ऐसा तो नही है कि इन लोगो के द्धारा पत्रकारिता की साख पर बटटा लगाने के लिए माईक पर न्यूज चौनल का लोगो लगी आईडी को भी खुद ही निजी तौर पर बनवाया हो। हालाकि लखनऊ में फर्जी लोगो की गिरफ्तारी का ये पहला मामला नही है इससे पहले भी कृष्णा नगर पुलिस ने गैस एजेन्सी के वेन्डर से लूट करने के दो कथित पत्रकारो को गिरफ्तार किया था यही नही ठाकुरगंज पुलिस द्वारा एक बावर्दी पुलिस इन्स्पेक्टर और बाजार खाला पुलिस द्वारा एक ऐसे बावर्दी दरोगा को गिरफ्तार कर सलाखो के पीछे भेजा था जो चौकी इन्चार्ज को ही अर्दब मे लेकर उनकी मोटर साईकिल हड़पने का प्रयास कर रहा था।

लखनऊ जैसे महत्वपूर्ण शहर से लगातार हो रही फर्जी लोगो की गिरफ्तारी से हम पत्रकारो को भी सचेत रहने की जरूरत है क्यूकि मौजूदा समय मे देश के कुछ प्रतिष्ठित न्यूज चौनलो और बड़े अखबारो को करोड़ो लोग अब गोदी मीडिया का नाम दे चुके है और गली कूचों में निचले स्तर के तमाम लोग भी पत्रकारिता की साख पर बटटा लगा रहे है। हालाकि ऐसा बिलकुल नही है कि देश मे निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले न्यूज चौनल अखबार और न्यूज पोर्टलो की कमी है बस अगर कही कमी है तो वो ये है कि मीडिया सस्थानो से जुडे कुछ लोग अपने निजी लाभ के लिए कुछ ऐसे लोगो को पत्रकार बना रहे है जिनका पत्रकारिता से कोई सरोकार नही है। अपने निजी स्वार्थ की पूर्ती के लिए पत्रकारिता से जुड़ कर पत्रकारिता को शर्मसार करने वाले ऐसे मुठठी भर ही लोग है जिन पर मीडिया संस्थान के जिम्मेदार ही लगाम लगा सकते है। ऐसे मे मीडिया संस्थान से जुड़े जिम्मेदारो को चाहिए कि वो बिना आवश्यक्ता और बिना जॉच पड़ताल के अपने सम्मानित संस्थान से किसी नए व्यक्ति को जोड़ कर उसे पत्रकार होने का सर्टिफिक्रेट न दे क्यूकि जब कोई फर्जी पत्रकार पकड़ा जात है तो सवाल मीडिया की विश्वसनियता पर लगाना शुरू हो जाते है। यहां ये कहना भी पूरी तरह से उचित होगा कि पत्रकारिता का तम्बा लेकर या फिर पुलिस की वर्दी पहन कर अगर कोई अपराधी अपराध करता है तो उसे न तो मीडिया से जोड़ा जाए और न ही पुलिस विभाग से क्यूकि अपराधी सिर्फ अपरधी होता है । तालाब मे अगर कुछ मछलियां गछनी हो जाए तो पूरे तालाब की मछलियो को मारा नही जा सकता है ।

नाटक ने दिया बेटी पढ़ाओ का संदेश

लखनऊ। लोककला महोत्सव न्यास की ओर से आयोजित लोक कला महोत्सव की आठवीं शाम, शुक्रवार 19 फरवरी को फ्लाइंग बर्ड फाउण्डेशन की ओर से नाटक बेटी पढ़ाओं का मंचन किया गया। अलीगंज के पोस्टल ग्राउंड में रविवार 21 फरवरी तक आयोजित इस लोक कला महोत्सव में देश भर से आए हस्तशिल्प, लजीज खानपान और झूलों का आनंद लोग निःशुल्क प्रवेश सुविधा के साथ उठा रहे हैं।संयोजक मंडल में शामिल विनय दुबे ने बताया कि बताया कि राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र मिश्र और संस्कार भारती के विभाग संयोजक हरीश कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इसका आयोजन किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राहुल त्रिपाठी, दीपिका सिंह सूर्यवंशी, प्रगति सिंह के संयोजन में शुक्रवार को भाविका ने '52गज' पर सुंदर नृत्य प्रदर्शन किया। श्रीजाम्या ने 'वो साकी', 'शकीरा', 'हम मारब नजरिया के बाण' पर नृत्य कर तालियां बटोरीं। अदित्य शर्मा ने गणेश वंदना के बाद विशाल अवस्थी ने 'दर्द की दुकान' शीर्षक से कविता पाठ किया। फ्लाइंग बर्ड फाउण्डेशन की ओर से ऋषभ सिंह, अभिषेक मिश्रा, सोनू शर्मा ने नाटक प्रदर्शित किया। इसके माध्यम से 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का संदेश दिया गया। अंजली और श्रेया के वेस्टर्न डांस के बाद नवनीत कुमार और वैभव मिश्रा ने मधुर गीत सुनाए। महोत्सव में देवा से अनीज शाही हलवा और मुगलई पराठा और सानू खान फायर पान और धुआं उगलता बिस्कुट लेकर आएं हैं। छोटे बच्चों के लिए वॉटर बोट भी है। आगरा के जूते स्टॉल पर लिखा है कि जूते में लेदर न साबित होने पर ग्रहक को दस हजार रुपए का ईनाम दिया जाएगा। बांस का बना सजावटी लालटेन और कश्मीरी स्टॉल, पंजाबी जूतियां, लकड़ी के खिलौने भी पसंद किये जा रहे हैं। इस अवसर पर सृजन फाउण्डेशन के सचिव अरुण प्रताप सिंह, सहित अनूप मिश्र, प्रगति सिंह उपस्थित रहीं।

अगर झांसी में स्ट्राबेरी की खेती हो सकती है तो किसान चाइना सिल्क भी बना सकता है: नवनीत सहगल

लखनऊ। ग्रामीण महिलाओं और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनाने और सरकार के 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों को बल देने के लिए एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउंडेशन, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश द्वारा सेरीकल्चर विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय 'हैण्डस् इन सेरीकल्चर' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज शुभारम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लखनऊ, गोंडा और बहराइच जिलों के ग्रामीड़ क्षेत्रों की पचास महिलाओं को रेशम उत्पादन के वैज्ञानिक तकनीकि सिखई जाएगी। कार्य्रकम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री रामा रमण (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव, सेरीकल्चर विभाग, उप्र सरकार, डा. सुनील धनेष्वर, प्रति कुलपति एमिटी विवि. लखनऊ परिसर, डा. नूतन कौशिक, डायरेक्टर जनरल, एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउंडेशन और डा. शालिनी सिंह विशेन, निदेशिका एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउंडेशन ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर एमिटी डा. अशोक के चौहान, संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी समूह, डा. बलविंदर शुक्ला, कुलपति एमिटी विवि. उत्तर प्रदेश और श्री नवनीत सहगल (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव, एमएसएमई, उप्र सरकार आनलाईन वीडियो कान्फेंसिंग माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

अतिथियों का स्वागत करते हुए डा. शालिनी सिंह विशेन ने कहा कि, रेशम उद्योग में वृहद स्तर पर रोजगार सृजन की संभावना और क्षमता है। यह हमारे किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। डा. नूतन कौशिक ने इस प्रशिक्षण की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि, हम इस तरह के कार्यक्रमों का लगातार आयोजन करना चाहते हैं जिससे हमारे ग्रामीण अंचलों में रह रहे भई बहनों के जीवन में आर्थिक सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा विशेष तौर पर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सेरीकल्चर के द्वारा आमूलचूल परिवर्तन लाया जा सकता है। डा. सुनील धनेष्वर ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र और स्मृतिचिन्ह भेट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, हम उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अत्यंत आभारी हैं कि उन्होंने एमिटी विवि. को इस महत्वपूर्ण कार्य का दायित्व सौपा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण निसंदेह इन महिलाओं के जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्य अतिथि श्री रामा रमण ने प्रशिक्षण लेने आई महिलाओं से कहा कि ज बवे अपने गांव वापस जाएं तो यह मानकर जाएं कि वो एक यूनीवर्सिटी से पढ़कर आ रहीं हैं और यहां प्राप्त ज्ञान पर गर्व करें। सरकार आपको हर कदम पर सहायता मुहैया कराने को तत्पर है। उन्होनें एमिटी विवि. को बधाई देते हुए कहा कि, एमिटी फूड एण्ड एग्रीकल्चर फाउंडेशन का योगदान किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होने कहा कि, हमारे यहां कुल 300 मीट्रिक टन रेशम का उत्पादन होता है जबकी मांग 3000 मीट्रिक टन की है। मांग और उत्पादन के बीच का यह गैप किसानों के लिए बड़ा अवसर है। उत्तर प्रदेश में हैण्डलूम की एक समृद्ध परम्परा रही है। इस परम्परा को तकनीकि से जोड़कर इसे और क्षमतावान बनया जा सकता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होने एमिटी समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा. अशोक के चौहान से निवेदन किया कि वह एमिटी विवि. में हैण्डलूम से संबंधित कोर्स आरम्भ करने पर भी विचार करें। श्री रमा रमण ने कहा कि सरकार लखनऊ में एक रेशम पार्क स्थापित करने के बारे में भी विचार कर रही है। एमिटी समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा. अशोक के चौहान संबोधित करते हुए कहा कि, हम भाग्यशाली है कि हम उत्तर प्रदेश के वासी हैं।

औद्योगिक विकास से संबंधित समस्त नीतियों को एक माह में दिया जाएगा अंतिम रूपः मुख्य सचिव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि औद्योगिक विकास से संबंधित समस्त नीतियों तथा लंबित महत्वपूर्ण निर्णयों को एक माह के भीतर अंतिम रूप प्रदान कर दिया जाए।

मुख्य सचिव, जिनके पास अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त का प्रभार भी है, आज लोकभवन स्थित सभागार में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के विभिन्न अनुभागों के मध्य बेहतर समन्वय एवं कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के उद्देश्य से 'इन्वेस्ट यूपी' पोर्टल में एक ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया जाए। उक्त ऑनलाइन व्यवस्था के अन्तर्गत् समस्त अधिकारियों द्वारा लंबित तथा महत्वपूर्ण कार्यों की सूची अपलोड की जाएगी, जिसमें निवेशकों तथा नीतियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने को प्रमुखता दी जाएगी तथा की गई कार्यवाही को प्रतिदिन अपडेट किया जाएगा। इस पर सभी नोडल अधिकारियों का विवरण भी अपलोड किया जाएगा।

उन्होंने निर्देशित किया कि विभाग में भौतिक पत्रावली प्रचालन को बन्द कर ऑनलाइन ई-ऑफिस व्यवस्था प्रारम्भ की जाए।

सम्पादकीय

पुदुचेरी का राजनैतिक संकट

सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक अप्रैल-मई के विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रहा है। अपनी योजनाओं और वोट-पाने वाले उपकरणों के साथ प्रचंड प्रचार का सहारा ले रहा है। और इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूरी आक्रामकता के साथ मोर्चे पर आ जुटे हैं। वे धड़ाधड़ निवेश परियोजनाओं की घोषणा किए जा रहे हैं। इस तरह पूरा तमिलनाडु चुनावी मोड में आ गया है। प्रमुख द्रविड़ियन प्रतिद्वंद्वी डीएमके का नेतृत्व करते हुए स्टालिन उनसे बेफिक्र हैं। जबकि एआईएडीएमके का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी अपने बीजेपी गठबंधन सहयोगी के साथ सत्ता फिर हासिल करने के लिए जमीन आसमान एक कर रहे हैं। इसी बीच पुदुचेरी में भी भयानक उठापटक का दौर चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की उस केन्द्र शासित प्रदेश पर खास नजर है। वहां अभी कांग्रेस की सरकार है, जिसे स्टालिन के नेतृत्व वाले डीएमके का समर्थन हासिल है। लेकिन एस सरकार के सामने अस्तित्व का संकट आ खड़ा हो गया है। कहा जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने दलबदल कराते हुए कांग्रेस के कुछ विधायकों का इस्तीफा करवा दिया, जिसके कारण कांग्रेस की नारायण सामी सरकार अल्पमत में आ गई है। उसके अल्पमत में आते ही केन्द्र सरकार ने उपराज्यपाल किरण बेदी को अपने पद से हटा दिया और उनकी जगह तेलंगाना की राज्यपाल को उपराज्यपाल बना दिया है। किरण बेदी को हटाया जाना बिल्कुल ही आकस्मिक था। उसके पहले उनसे बात तक नहीं की गई। उनसे कोई स्पष्टीकरण भी नहीं मांगा गया। सच कहा जाय तो किरण बेदी को इस बात की भनक भी नहीं थी कि उन्हें हटाया जा रहा है।

यह सच है कि सीएम और उपराज्यपाल के बीच पांच साल से सत्त संघर्ष चल रहा था। दोनों शासन में एक दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे, और दोनों लोगों के सामने अलोकप्रिय हो रहे थे। नारायण सामी सरकार अधर में लटकी होने के साथ, भाजपा यह देखने की कोशिश कर रही है कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी एनआर कांग्रेस कुछ भाजपा और अन्नाद्रमुक सदस्यों के समर्थन के साथ बदलाव कर सकती है या नहीं, जो दो महीने के भीतर अगले चुनाव तक 30 सदस्यीय विधानसभा में बचेगी। अगली बार तेलंगाना में अपना शासन बढ़ाने पर भाजपा की लगातार महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए। मोदी सरकार ने दो साल पहले तमिलनाडु के भाजपा नेता तमिलिसाई सुन्दरराजन को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया था। अब उसे पुदुचेरी में उपराज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने के लिए कहा गया है और भाजपा नेताओं को उम्मीद है कि वह वर्तमान राजनैतिक संकट को उनके अनुकूल मोड़ देंगी। स्थानीय एनआर कांग्रेस और अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में अप्रैल-मई में अगले चुनाव में भाजपा यहां सत्ता पर कब्जा करने की उम्मीद करती है। डीएमके के नेता श्री स्टालिन वहां अकेले जाने की योजना बना रहे थे। इसका कारण यह है कि पिछले 5 सालों में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के झगड़े के कारण सरकार का प्रदर्शन बेहद की खराब रहा है और स्टालिन नहीं चाहते हैं कि उस खराब प्रदर्शन का दाग़ लेकर उनकी पार्टी वहां चुनाव में उतरे। यह स्पष्ट है कि बीजेपी इस साल दक्षिण, (तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल) में बड़ी उपस्थिति दर्ज करने के लिए कृतसंकल्प है, जो पहले की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल स्थिति में है।

कृषि कानूनों से बदलती राजनैतिक तस्वीर

कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर लगभग तीन महीने से आंदोलन चल रहा है। अब जबकि सीमाओं पर किसानों की संख्या थोड़ी कम होने लगी है, तो वहीं गांव-गांव में हो रही किसान पंचायतों में भारी भीड़ उमड़ रही है। केंद्र सरकार का रवैया अब भी वही है। बजट सत्र के पहले हिस्से में भी सरकार ने संसद में अपना रुख साफकर दिया कि कानून रद्द नहीं होंगे। इधर किसान भी आंदोलन जारी रखने की बात कह चुके हैं और इसी के मद्देनजर 18 फरवरी गुरुवार को कुछ घंटों के लिए रेल रोको आंदोलन चलाया गया। इससे पहले किसानों ने चक्काजाम भी किया था। किसान इस बात का पूरा ध्यान रख रहे हैं कि उनके आंदोलन के कारण आम जनता को कोई तकलीफ न उठानी पड़े। जब वे दिल्ली की सीमाओं पर आए थे, तब भी सड़क का कुछ हिस्सा खुला रखा था कि आवाजाही बनी रहे, खासकर एंबुलेंस आदि के आने-जाने में कोई रुकावट न आए। जब पुलिस ने बैरिकेडिंग की और कंटीली बाड़ लगाई, तब रास्ते जरूर बाधित हुए। चक्का जाम के दौरान भी दिल्ली के भीतर किसी तरह का व्यवधान न हो, यह ख्याल किसानों ने रखा। 26 जनवरी को जिस तरह ट्रैक्टर रैली के दौरान घटनाएं घटीं, उसके बाद किसान हरेक कदम सावधानी के साथ रख रहे हैं। रेल रोको आंदोलन के तहत दोपहर 12 से 4 बजे तक देश के कई हिस्सों में किसानों ने रेल संचालन बाधित किया। सैकड़ों किसान रेल पटरियों पर बैठे रहे। इस वजह से जो ट्रेनें आगे नहीं बढ़ पाईं, उनके यात्रियों के खाने-पीने का इंतजाम भी आंदोलनकारियों ने किया। सत्ता से विरोध और जनता से सहयोग की रचनात्मकता के साथ यह आंदोलन रोज इतिहास में अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज कराता जा रहा है। सवाल ये है कि सरकार इस मजबूती को और आंदोलनकारियों की मंशा को कब समझेगी। अब तक सरकार यही साबित करने की कोशिश में लगी रही इस आंदोलन में केवल पंजाब-हरियाणा के किसान शामिल हैं। लेकिन जैसे देश भर में किसान इस आंदोलन से जुड़ते जा रहे हैं, उसमें सरकार का यह दावा ध्वस्त हो रहा है। सरकार यह कह रही है कि यह किसानों के हित में है, लेकिन किसानों का हित किसमें है, यह पंजाब के निकाय चुनावों में साफदिख गया। हरियाणा के निकाय चुनावों में भाजपा-जेजेपी गठबंधन को शिकस्त मिली थी, राजस्थान में भी भाजपा को मात मिली, लेकिन भाजपा ने शायद इसके संकेतों पर ध्यान नहीं दिया। अब पंजाब में भाजपा को करारी शिकस्त मिली है। शिरोमणि अकाली दल और आप भी कांग्रेस के आगे परास्त हो गए। कांग्रेस ने न केवल शानदार जीत हासिल की, बल्कि हिंदू वर्चस्व के इलाकों और शिअद के गढ़ों पर भी अपना कब्जा कर लिया। इस जीत से कांग्रेस का उत्साहित होना स्वाभाविक है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इसे हरेक पंजाबी की जीत बताया है। उनके नेतृत्व में हुई यह जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इससे अगले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले मजबूत होंगे, वहीं पार्टी के भीतर अमरिंदर सिंह का रुतबा उनके प्रतिद्वंद्वियों पर तारी हो गया है। हालांकि अब कांग्रेस को एक संगठित पार्टी के तौर पर हरेक कदम संभल कर रखने की जरूरत है, क्योंकि अतिउत्साह में ही कई बार गड़बड़ियां हो जाती हैं। भाजपा के लिए ये नतीजे चेतावनी है कि वह अपने अजेय होने के भ्रम को दूर कर ले। हाल में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने उत्तरप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान के जाट नेताओं को जमीन पर उतरने और कृषि कानूनों के फायदे किसानों को समझाने के निर्देश दिए हैं। जल्द ही उत्तरप्रदेश में पंचायत चुनाव होने हैं, और जो माहौल इस वक्त है, उसमें भाजपा के लिए जीत की बहुत उम्मीदें नहीं दिख रही हैं। अगले साल उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं और किसानों की दशा के साथ-साथ राज्य में कानून-व्यवस्था का जो आलम है, उसमें सपा, बसपा, कांग्रेस सभी दल सरकार को घेरने में लगे हैं। रालोद से जयंत चौधरी अपना खोया जनाधार जुटाने में लगे हैं, तो प्रियंका गांधी किसान महापंचायतों में शिरकत कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बना रही हैं। कुल मिलाकर यह नजर आ रहा है कि कृषि कानूनों के खिलाफ खड़ा आंदोलन जल्द ही राजनीति की नई तस्वीर देश को दिखा सकता है।

शिक्षा का केन्द्रीय बजट यानि गरीबी में आटा गीला

राज्य सरकारों की स्थिति भी अलग-अलग है। जिन राज्यों की वित्तीय स्थिति कमजोर है उन्हें शिक्षा अधिकार कानून के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए अनुदान की आवश्यकता है। इन राज्यों में शिक्षकों की कमी है, साथ ही स्कूल में जरूरी सुविधाओं और संसाधनों की कमी से भी ये स्कूल जूझ रहे हैं। इस वर्ष केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2021,22 के शिक्षा बजट में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई, बल्कि पिछले वर्ष की तुलना में उसमें 6000 करोड़ की कमी कर दी गई। यह अपने आप में अभूतपूर्व है। आमतौर पर शिक्षा के बजट में थोड़ा बहुत इजाफा किया जाता रहा है, जबकि हर वर्ष उसकी मांग उससे बहुत अधिक होती है। हम तोते की तरह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6 प्रतिशत खर्च करने की बात करते हैं पर वहीं-के-वहीं खड़े दिखते हैं। बजट के मामले में इस वर्ष विचित्र स्थिति दिखाई दे रही है। क्योंकि शिक्षा बजट को कम कर हम उलटे चल रहे हैं। यह आश्चर्यजनक इसलिए भी है क्योंकि संपूर्ण बजट में जहां 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, वहीं शिक्षा के बजट में 6 प्रतिशत की कमी की गई है। यानी लक्ष्य प्राप्त ना कर पाना एक बात होती है, किन्तु लक्ष्य को ही खत्म कर देना एक अलग तरह का दृष्टिकोण पेश करता है। इस बजट में केन्द्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों का बजट बढ़ाया गया और समग्र शिक्षा अभियान का बजट घटा दिया गया है। यानि जो स्कूल केन्द्र सरकार के सीधे नियंत्रण में है, उन पर कहीं अधिक खर्च किया जाएगा, जबकि राज्य सरकारों द्वारा चलाये जाने वाले स्कूलों के अनुदान में कटौती की गई है। गौरतलब है कि केन्द्र के पास लगभग 2000 केन्द्रीय व नवोदय विद्यालय हैं और राज्य सरकारें 11 लाख स्कूल संचालित करती हैं। बजट में कटौती की पुष्टि इस बात से भी होती है कि दो वर्ष पहले, 2019-20, का समग्र शिक्षा अभियान का वास्तविक खर्च 32,377 करोड़ इस अनुमानित बजट से अधिक था। हालांकि इस बारे में यह तर्क दिया जा सकता है कि राज्य सरकारें अपने बजट से उन पर खर्च करती हैं तो केंद्र सरकार के अनुदान की क्या जरूरत है? किन्तु इस बात को ध्यान में रखने की जरूरत है कि केन्द्र सरकार के अनुदान से प्राप्त राशि का उपयोग राज्य सरकारों द्वारा स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस अनुदान में राज्य सरकारों का हिस्सा 40 फीसदी होता है और कुछ राज्यों में 10 फीसदी। इसी अनुदान के कारण ही राज्यों ने शिशक्षा का अधिकार अधिनियमश् के प्रावधानों को पूरा करने के लिए कदम उठाए। इस समय राज्यों के पास वित्तीय संसाधनों की कमी है और बजट की कटौती के बाद यह श्समग्र शिक्षा अभियानश् सिमटता हुआ नजर आएगा। यानि राज्य सरकारें शिक्षा पर कम खर्च करेंगी। दूसरी ओर, हम शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने की बातें जोर-शोर से कह रहे हैं, जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। बात साफहै, भारत सरकार केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों पर तो खर्च कर रही है, जबकि आम जनता के स्कूलों को राज्यों के हाल पर छोड़ देने का इरादा है। हम भूल गए हैं कि केन्द्र सरकार का बजट संपूर्ण देश के लिए होता है, न कि सिर्फ केन्द्र सरकार द्वारा संचालित स्कूलों के लिए। यहां प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट है कि राज्य सरकारों के लिए अनुदान 7701 करोड़ रुपए घटा दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे और उसकी गंभीरता को देखते हुए संसद में बहस की जरूरत है। पूरे देश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए श्समग्र शिक्षा अभियानश् के बजट को बढ़ाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि कोविड महामारी की स्थिति से उबरने के लिए इस वर्ष राज्य सरकारों को विशेष सहायता की जरूरत है। स्कूल में बच्चों को वापस लाने के अभियान, विशेष कोचिंग, शाला भवनों की मरम्मत आदि जरूरतें सामने आ रही हैं। खासकर पानी की व्यवस्था और शौचालयों को दुरूस्त करने के लिए वित्तीय अनुदान की अपेक्षा की गई थी। उक्त तैयारियों और प्रबंधन के बाद ही पालक अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे और सुरक्षित महसूस करेंगे। अतरू इस वर्ष समग्र शिक्षा अभियान के तहत विशेष प्रावधान उपलब्ध कराने की जरूरत थी, ताकि राज्य सरकारें इन परिस्थितियों से जूझ सकें। बजट का कम होना राज्य सरकारों के लिए बहुत मुश्किल घड़ी है। वैश्विक संस्थाओं यूनेस्को एवं ऑक्सफैम ने अलग-अलग अनुमान लगाया है कि भारत में वर्ष 2020-21 में 27 से 32 करोड़ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित रही है।

उन्नाव पहुंचे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सांसद कौशल किशोर परिवार को दी सांत्वना

उन्नाव। जनपद में असोहा थाने के अंतर्गत बबूरिहा गांव में हुई घटना जहां दो दलित लड़कियों की जहर पिलाने से हत्या हुई है और एक लड़की हॉस्पिटल में जीवन मौत से जूझ रही है। आज घटनास्थल पर उत्तर प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर पहुंचकर पीड़ितों के परिजनों से मिले व उन्हे सरकार द्वारा न्याय दिलाने का आश्वासन दिलाया। सांसद कौशल किशोर ने पीड़ित परिवार को इस दुस्साहसिक व दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम देने वाले मुल्जिमों को कठोर से कठोर सजा दिलाए जाने का भी भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री जी द्वारा दिये गये संदेश को सांसद कौशल किशोर ने परिजनों तक पंहुचाया जिसमें मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद व जो पीडिता हॉस्पिटल में है उनके परिजन को दो लाख की आर्थिक सहायता दी गई है, व उन्हें जमीन का पट्टा भी सरकार द्वारा दिया जाएगा सांसद कौशल किशोर ने परिजनों व गाँव के लोगों को अपना मोबाईल नंबर दिया और कभी भी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर 24 घंटे कभी भी हरसंभव मदद के लिए आश्वासन दिया। इस अवसर पर उनके साथ में उनके प्रतिनिधि प्रवीण अवस्थी आदि लोग उपस्थित रहे।

वर्चुअल फैमिली यूनिटी कान्फ्रेन्स 25 को केशव प्रसाद मौर्य होंगे मुख्य अतिथि

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (द्वितीय कैम्पस) द्वारा आगामी 25 फरवरी, वृहस्पतिवार को 'अन्तर्राष्ट्रीय पारिवारिक एकता सम्मेलन (इण्टरनेशनल फैमिली)' का ऑनलाइन आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि होंगे। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सीएमएस का मानना है कि सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए बच्चों में पारिवारिक मूल्यों का समावेश होना जरूरी है। ऐसे में, छात्रों में पारिवारिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना जगाने, पारिवारिक एकता के महत्व से अवगत कराने एवं पारिवारिक एकता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सी.एम.एस. राजाजीपुरम (द्वितीय कैम्पस) द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पारिवारिक एकता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी अर्न्तनिहित नैसर्गिक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही पारिवारिक एकता का अलख जगायेंगे। श्री शर्मा ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय पारिवारिक एकता सम्मेलन के अन्तर्गत 3 से 18 वर्ष आयु के छात्रों के लिए चार वर्गों में बहुत ही रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जिनमें ली कॉस्ट्यूम डिग्वीज (फैन्सी ड्रेस कम्पटीशन), वेस्ट-ओ-मेनिया (मॉडल मेकिंग कम्पटीशन), लिनेज (फोटोग्राफी कम्पटीशन), कोलाइज (कोलाज कम्पटीशन), मोसिक्यू (गायन प्रतियोगिता) आदि प्रमुख है। इन प्रतियोगिताओं हेतु देश-विदेश के छात्रों ने अपनी प्रविष्टयों को ऑनलाइन अपलोड किया है, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ प्रवृष्टियों को आगामी 25 फरवरी को आयोजित 'अन्तर्राष्ट्रीय पारिवारिक एकता सम्मेलन (इण्टरनेशनल फैमिली)' में पुरष्कृत कर सम्मानित किया जायेगा। श्री शर्मा ने कहा कि इस पारिवारिक एकता सम्मेलन के माध्यम से भावी पीढ़ी के चारित्रिक व नैतिक विकास हेतु सम्पूर्ण समाज में ईश्वरीय वातावरण निर्मित करने का उत्साह जगाना है।

अपहृत छात्र के नाले में शव मिलने से हड़कंप

प्रतापगढ़। नगर में सरोज चौराहा के समीप कांशीराम कालोनी से तीन दिन पहले घर से निकला दीपक (10) वर्ष का शव शनिवार को प्रातः साढ़े आठ बजे कांशीराम कालोनी के पीछे स्थित नाले में मिला तो हड़कंप मच गया। उसके सिर में चोट देखकर लोगों ने हत्या की आशंका व्यक्त की। इस खबर से लोग आक्रोश में आ गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंची तो घरवालों ने शव को पोस्टमार्टम के लिये ले जाने से मना कर दिया। घरवाले मृतक के शव को लेकर भागे तो पुलिस वालों ने दौड़ाकर शव को बलपूर्वक अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ अभद्रता करने व मारपीट के विरोध में विकास भवन मार्ग पर सरोज चौराहे के पास लोगों ने जाम लगा दिया। प्रातः साढ़े आठ बजे से लगा जाम साढ़े दस बजे तक सरोज चौराहा पर लगा रहा। सीओ, अपर पुलिस अधीक्षक सहित भारी पुलिस बल वहां पहुंचे तो किसी तरह समझाने-बुझाने पर जाम समाप्त हुआ। बाद में पुलिस अधीक्षक शिवहरी मीणा मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने घटना का शीघ्र पर्दाफाश होने का भरोसा दिलाया। घटना के बारे में बताया जाता है कि शुक्रवार को अपरान्ह तीन बजे कोतवाली में मृतक दीपक के पिता श्यामू ने अपने बेटे के 17 फरवरी से गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए तीन लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने कोतवाली में भादसं की धारा 363/506 में तीन नामजद लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर तीनों को हिरासत में ले लिया था। शुक्रवार की रात बीती ही थी कि शनिवार को सरोज चौराहे के नाले के पीछे दीपक का शव मिलने से पूरे घर में दुख का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस अधीक्षक ने मृतक के घर पर लोगों को भरोसा दिया है.

अमेरिकी विश्वविद्यालय द्वारा सी.एम.एस. छात्र को 62,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के मेधावी छात्र सात्विक शुक्ला को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की प्रतिष्ठित एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा 62,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। स्टीफन को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। इसके अलावा, अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना, यूनिवर्सिटी ऑफ मिसीसिपी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन एवं कैनडा की सिमोन फ्रेजर यूनिवर्सिटी व यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा द्वारा भी इस प्रतिभाशाली छात्र को उच्चशिक्षा हेतु चयनित किया गया है। इस प्रकार, सी.एम.एस. के एक और प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी लगन, प्रतिभा व शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका एवं कैनडा के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस मेधावी छात्र को बधाई देते हुए विद्यालय के विद्वान व कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष सी.एम.एस. के 100 से अधिक मेधावी छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 36 से अधिक छात्र अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित हो चुके है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है। श्री शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है। इससे पहले, विदेश में उच्चशिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के छात्रों को सैट परीक्षा के लिए दिल्ली जाना पड़ता था।

अफीम कोठी में हुआ सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह

प्रतापगढ़। परिवहन विभाग के मूल मंत्र रुके, देखें, सुनें और सोचें को चरितार्थ करने के लिए अफीम कोठी में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक राजकुमार पाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिव प्रकाश प्राचार्य अफीम कोठी ने किया। विशिष्ट अतिथियों में एडिशनल एसपी, आरएम रोडवेज, डॉक्टर विंध्याचल सिंह प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बडौदा रहे। साथ ही साथ सत्य प्रकाश एवं पीटीओ परिवहन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अनीस ने किया। इस अवसर पर सुशील कुमार संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा की जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाई गई और शासन की मंशा के अनुसार विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज को जागरूक किया गया और छात्र छात्राओं को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया था।

सद्भावना दिवस के रूप में मनी अरुण कुमार की पुण्यतिथि

शिक्षा, साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों का हुआ अभिनन्दन

प्रतापगढ़। वरिष्ठ पत्रकार एवं इंटर कॉलेज रामनगर अठगवां के अध्यक्ष रहे स्व. अरुण कुमार पाण्डेय की पांचवीं पुण्य-स्मृति-दिवस पर रामनगर अठगवां में सद्भावना दिवस समारोह एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्व. पाण्डेय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करने के साथ ही उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, विशेष अतिथि दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री भदंत शान्ति मित्र, विशिष्ट अतिथि पंडित श्याम किशोर शुक्ल, उद्घाटन अतिथि प्रबन्धक अनिल प्रताप त्रिपाठी, समापन अतिथि उपजा प्रदेश संगठन मंत्री संतोष भगवन, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव व पूर्व कुलपति डॉ. यू.पी. सिंह मौजूद रहे। समाजसेवी अश्वनी सोनी व डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी भी बतौर अतिथि शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कुल 15 विभूतियों का सम्मान अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र आदि भेंटकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यू. पी. जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (उपजा) के प्रदेश अध्यक्ष रतन दीक्षित व संचालन अनूप अनुपम ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत आयोजक डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय ने किया। इस दौरान राजकुमारी रत्ना सिंह ने कहा कि समाज के लोग आज भी जब लोकतांत्रिक व्यवस्था से तंग आते हैं तो आखिरी पायदान पर वे मीडिया से ही अपेक्षा करते हैं कि मीडिया उनकी आवाज बनें। विशेष अतिथि भदंत शान्ति मित्र ने कहा कि स्व. पाण्डेय ने जनसाधारण की आवाज को उठाने का कार्य किया। विशिष्ट अतिथि व ग्रामीण इंटर मीडिएट कॉलेजेज के अध्यक्ष पं.श्याम किशोर शुक्ल ने कहा कि स्व. पाण्डेय ने कभी सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया। उपजा प्रदेश अध्यक्ष रतन दीक्षित ने स्व. पाण्डेय को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में भी पत्रकारिता की अलख जगाकर, बेसहारा व मजलूमों की आवाज को उठाया और उन्हें न्याय दिलाने का काम किया। इस मौके पर प्रबन्धक अनिल प्रताप त्रिपाठी, संतोष भगवन, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान वरिष्ठ साहित्यकार निर्झर प्रतापगढ़ी, अनीश देहाती, दिनेश सिंह गुक्कज, डॉ. संगम लाल त्रिपाठी भंवर, आदि ने काव्यपाठ किया।

मधुमेह की जटिलताओं को दूर करती है होम्योपैथी- डॉ० योगेश प्रताप सिंह

मधुमेह या डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसके परिणामस्वरूप रक्त प्रवाह में अत्यधिक मात्रा में ग्लूकोज होता है। यह एक मेटाबोलिक विकार है, जो लगातार पेशाब, प्यास और भूख में वृद्धि जैसे विभिन्न लक्षणों से पता लगता है ।होम्योपैथी में रोगी की स्थिति पर प्रभाव के लिए कुछ समय चाहिए होता है। लेकिन मधुमेह के लिए होम्योपैथी मधुमेह की गंभीर जटिलताओं को दूर के लिए फायदेमंद है ।प्यास की अधिकता, बार-बार पेशाब होना आदि ऐसा रोगी जिस जगह पर पेशाब करता है, वहां चीनी जैसा सफेद पदार्थ जम जाता है और वहां चींटें-चींटियां और मक्खियां बैठती हैं। जब रोग की अवस्था काफी बढ़ जाती है, तो भूख कम हो जाती है, शरीर कमजोर व दुबला होता जाता है। नेत्रज्योति घटने लगती है, किसी-किसी को पीठ में फोड़ा हो जाता है, रक्त में शक्कर बढ़ जाने से घाव भरने की प्राकृतिक शक्ति नष्ट हो जाती है। रोगी को जरा-सा घाव हो जाए, तो वह भयंकर रूप धारण कर लेता है। कभी-कभी तो अत्यधिक शर्करा होने की स्थिति में अंगों में गलाव पड़ जाता है और अच्छा-खासा व्यक्ति काल का ग्रास बनने की स्थिति में पहुंच जाता है। साथ ही कई बार व्यक्ति अत्यधिक शर्करा की मात्रा रक्त में बन जाने के कारण ऐसी परिस्थितियों में इलाज कर पाना असंभव हो जाता है।

क्यों होती है डायबिटीज ?

हमारे शरीर में पेन्क्रियाज नाम की एक ग्रंथि होती हैं, जिसे हिन्दी में अग्नाशय कहते हैं। इस ग्रंथी से कुछ हार्मोन्स का स्त्राव होता हैं । इंसुलिन पेन्क्रियाज से स्त्रावित होने वाला एक महत्वपूर्ण हार्मोन है।

इसी प्रकार हमारे भोजन मे कार्बोहाइड्रेट एक महवपूर्ण तत्व होता है जिससे हमें केलोरी और ऊर्जा प्राप्त होती है। कार्बोहाइड्रेट हमारे शरीर मे जाकर ग्लूकोज के छोटे छोटे कणों में बदल जाता है, और इसी ग्लूकोज को इंसुलिन शरीर की प्रत्येक कोशिका तक ले जाता हैं, जिससे शरीर को प्राप्त ऊर्जा होती हैं। जब यह इंसुलिन शरीर में बनना बंद हो जाता है या इसकी मात्रा इतनी कम रहती हैं कि कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता है तो ग्लूकोज कोशिकाओं में नहीं जा पाता है और रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है जिसे डायबीटीज कहते हैं।

मधुमेह की रामबाण होम्योपैथी दवाएं

आर्सेनिक ब्रोमेट्रम', 'कोका', 'कोडीनम', 'सीजिजियम', 'फॉस्फोरस', 'इंसुलिन', 'यूरेनियम नाइट्रिकम', 'ओरम', 'हेलोबोरस' आदि। होम्योपैथी में रोगी की स्थिति पर औषधियों के प्रभाव के लिए कुछ समय चाहिए होता है। हालांकि, मधुमेह की स्थिति में वैसे भी इसके लक्षणों के कम होने में लंबा समय ले सकता है। लेकिन डायबिटीज या मधुमेह के लिए होम्योपैथी काफी कारगर सिद्ध हुई है।

लेसा ने लगाया कैम्प ,कई उपभोक्ताओं पर मुकदमा दर्ज

निगोहां। लखनऊ लेसा ने गुरुवार को निगोहा क्षेत्र के पुरहिया गांव में कैम्प लगाया जिसमे विधुत उपभोक्ताओं से बकाया विधुत बिल की वसूली की गई साथ ही घरों में लेसा कर्मियों ने कई जगहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान कुछ वही बकाया राशि न अदा करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए ।गुरुवार को निगोहां पावर हाउस से जुड़े उपभोक्ताओं के बकाया विधुत बिल वसूली के लिए पुरहिया में लेसा ने कैम्प लगाया था अवर अभियंता आशुतोष श्रीवास्तव व उपखण्ड अधिकारी संजय त्रिवेदी ने अपनी पूरी टीम के साथ उपभोक्ताओं के घर घर जाकर बकाया बिजली बिल की वसूली की जहा 27कनेक्शन काटे गए जबकि धारा126 के तहत 3 लोगो व धारा 138 बी के अंतर्गत 39 उपभोक्ता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया वहीं

बड़े बाबा के मंदिर में 2 दिवसीय मेला एवं विशाल भण्डारा सम्पन्न

शिवगढ़,रायबरेली। गत वर्षो की भांति बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शिवगढ़ क्षेत्र के भवानीगढ़ - बैंती रोड पर स्थित जयचंदपुर में बड़े बाबा के मंदिर प्रांगण में 2 दिवसीय मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा, दूरदराज से आए हजारों भक्तों ने मंदिर में माथा टेक कर मनवांछित मनोकामनाएं मांगी। मेले के दूसरे दिन विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें पूण्य की लालसा से आए हजारों भक्तों ने मंदिर में माथा टेकने के बाद प्रसाद छककर घर परिवार की खुशहाली की दुआएं मांगी। इस दौरान बड़े बाबा के जयकारों से समूचा मंदिर प्रांगण गूंजता रहा। मेले एवं भंडारे का आयोजन ग्रामीणों के सौजन्य से किया गया। ग्रामीणों की मान्यता है कि बड़े बाबा के स्थान पर जो भी भक्त सच्चे मन से उनकी पूजा अर्चना करता है उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। यही कारण है कि बड़े बाबा के मंदिर में शिवगढ़ क्षेत्र ही नही सैकड़ों कोसों दूर से श्रद्धालु बाबा का आशीर्वाद लेने आते हैं। यही नही मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालु मंदिर में रामायण एवं पूजा पाठ का आयोजन कराते रहते हैं। ग्रामीणों की मान्यता है कि भक्त भले ही बाबा के दरबार में खाली हाथ आते हों किन्तु बाबा की कृपा से कभी खाली हाथ वापस नही जाते। सच्चे मन से बाबा की पूजा अर्चना करने से मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। इस मौके पर हरिशंकर तिवारी,गंगा प्रसाद, जमुना प्रसाद, मेवालाल, श्रवण कुमार, जागेश्वर, मैकूलाल, हुबलाल, मोतीलाल, मनोज कुमार,पप्पू रावत आदि लोग मौजूद रहे।

नगराम में सरकारी तालाब की जमीन पर बनाया प्रधानमंत्री आवास

नगराम -लखनऊ ।नगर पंचायत नगराम में पहले सांठ गांठ करके प्रधानमंत्री आवास को सरकारी तालाब की जमीन पर बनवा लिया गया अब वही आवास जो सरकारी जमीन पर बना था उसको बेच दिया और शातिर खरीददारो ने उसे आवासी भूमि पर दिखाकर विक्रय अनुबंध (विला कब्जा) करा लिया इस बारे में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नगराम विनीत श्रीवास्तव से जानकारी करने पर वह गुमराह कर कहते हैं कि इस तरह का कोई मामला नहीं है नोटिस के माध्यम से 3 दिन में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी से स्पष्टीकरण मांगा गया था लेकिन 6 दिन बीत जाने के बाद भी मामला ठंडे बस्ते में डाल रखा है यह पूरा मामला नगर पंचायत कार्यालय नगराम के ठीक सामने स्थित सरकारी तालाब की जमीनों का है जिसमें अवैध कब्जेदार बेधड़क पक्के निर्माण करा रहे है खानापूर्ति के नाम पर सिर्फ स्पष्टीकरण जारी करके एक दो लोगों के नाम मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है अब इस करोड़ों की जमीन पर कुछ भू माफियाओं की नजर हो गई है जोकि आबादी की जमीन दिखाकर सरकारी तालाब की जमीन की भी खरीद-फरोख्त करने लगे हैं।वही जब नोटिस को लेकर अधिशांसी अधिकारी विनीत श्रीवास्तव नगर पंचायत नगराम से बात करने की कोशिश की गयी तो अधिशासी अधिकारी ने पत्रकारो को गुमराह करने की कोशिश की अधिशासी अधिकारी ने कहा की आप को बात करनी है तो उच्च अधिकारियों से जा कर बात करे कहकर मामले से पल्ला झाड़ा जा रहा है।

मेहंदी एवं सेल्फी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

आर्यकुल ग्रुप ऑफ कॉलेज में हुआ मेहंदी एवं सेल्फी प्रतियोगिता का आयोजन

बछरावां,रायबरेली। बसन्त पंचमी के पावन अवसर पर बछरावां क्षेत्र के सेहगों पश्चिम मेंस्थित आर्यकुल ग्रुप ऑफ कॉलेज में सेल्फी एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ कॉलेज के प्राचार्य डॉ.एन.के.अग्रवाल द्वारा ज्ञान दायिनी मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। प्रतियोगिता में कॉलेज के फार्मेसी विभाग के सभी छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में जहां छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए एक से एक डिजाइन की मेहंदी कला का प्रदर्शन किया। वहीं सेल्फी ग्रुप प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए रचनात्मक तरीके से सेल्फी ली। प्रतियोगिता के समापन पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ.एनके अग्रवाल ने

छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ्य प्रतियोगिताएं हमेशा प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करती हैं, साथ ही प्रतियोगिताओं के आयोजन से छुपी हुई प्रतिभाएं निखर कर सामने आती हैं। कॉलेज द्वारा आयोजित मेंहदी एवं सेल्फी प्रतियोगिता की सभी छात्र- छात्राओं ने तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से छात्र छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलता है। इस मौके पर अध्यापक अरुण यादव, सीपी दुबे,आराधना चौधरी, हर्ष सिंह ,रवि शंकर तिवारी, अंशू मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

राजाओं की आरटीआई और आरटीआई का राजा

लखनऊ । वर्ष 1928 में जब ओयल रियासत जनपद खीरी के तत्कालीन राजा युवराज दत्त सिंह ने अपने महल को किराये पर चढ़ाया था तब वह यह कभी भी नहीं सोच सकते थे कि लगभग एक शतक बाद उनका यह महल आरटीआई की एक मिसाल बन जायेगा। वर्ष 1928 में राजा ने अपने महल को उस समय के डिप्टी कलेक्टर को 30 वर्षों के लिये किराये पर दिया था। हिन्दुस्तान के आजाद हो जाने के बाद ये किरायेदारी पुनः 30 वर्षों के लिये बढ़ा दी गयी थी। राजा युवराज की मृत्यु वर्ष 1984 में हो गयी। ओयल परिवार ने अपने पुश्तैनी महल के अभिलेखों की छानबीन शुरू की। कई वर्षों तक उपरोक्त अभिलेख को ढूढ़ने का सिलसिला चलता रहाए अन्ततः पूरे प्रकरण को अपने कब्जे में लेते हुए राजा युवराज दत्त सिंह के पोते कुँवर प्रद्युम्न नारायण दत्त सिंह ने स्टार आरटीआई एक्टीविस्ट सिद्धार्थ नारायण को अपनी पुस्तैनी सम्पत्ति की समस्या समझायी। दो साल की समय सीमा तय की गयी एवं लक्ष्य तय किया गया कि उपरोक्त सम्पत्ति के मूल अभिलेख को खोज लिया जायेगा। इस क्रम में चार आरटीआईयाचिकायें जिलाधिकारी कार्यालयए मण्डलायुक्त कार्यालयए वित्त विभाग एवं राजस्व परिषद को पार्टी बनाते हुए सूचना मांगी गयी। सारी आरटीआईधारा .6 य3द्ध के अन्तर्गत जिलाधिकारी कार्यालय जनपद लखीमपुर खीरी को स्थानान्तरित कर दी गयी। सारी याचिकायें दिनांक 28 अगस्तए 2019 कोदायर की गयी थी और 27 मार्चए 2020 को लिखित सूचना प्राप्त हुई कि राजा युवराज दत्त सिंह के द्वारासम्पादित मूल अभिलेख उनके पोते कुंवर प्रद्युम्न नारायण दत्त सिंह को आरटीआई के तहत प्राप्त हुए। साथ ही यह भी साबित हुआ कि उपरोक्त सम्पत्ति का खाता सं0.5 एवं खसरा सं0.359 है। यह मूल खसरा संख्या है। इस सूचना को पाते हुए ओयल रियासत के बड़े राजा विष्णु नारायण दत्त सिंह ने मीडिया से मुखातिब होते हुए अत्यन्त प्रसन्ता जाहिर की एवं तहेदिल से जिलाधिकारी खीरी शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं एसआरओ कैप्टन एसपी दूबे का आभार व्यक्त किया।

एवर्टन ने 1999 के बाद एनफील्ड पर पहला मैच जीता, लिवरपूल ने गंवाया मैच

लंदन। एवर्टन ने 1999 के बाद एनफील्ड पर पहला मैच जीता जबकि लिवरपूल ने अपने घरेलू मैदान पर लगातार चौथा मैच गंवाया जो कि 1923 के बाद उसका इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने मैदान पर उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। लिवरपूल ने पिछले वर्ष 30 साल बाद ईपीएल का खिताब जीता था लेकिन उसे वह आसानी से गंवा रहा है। एनफील्ड लिवरपूल का घरेलू मैदान है और उसे यहां अजेय माना जाता रहा है।

एवर्टन पिछले 22 साल से यहां जीत दर्ज नहीं कर पाया था लेकिन शनिवार को रिचार्लीसन और गिल्फी सिगर्डसन के गोल की मदद से वह 2-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा। इस जीत से एवर्टन के भी लिवरपूल के समान 40 अंक हो गये हैं जबकि उसने एक मैच कम खेला है। लिवरपूल अभी छठे स्थान पर है और शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से 16 अंक पीछे हो गया है। चेल्सी ने एक अन्य मैच में साउथम्पटन के साथ 1-1 से ड्रा खेलकर अंक बांटे। बर्नले और वेस्ट ब्राम को मैच गोलरहित छूटा जबकि फुल्हम ने शैफील्ड यूनाईटेड को 1-0 से हराया।

कृषि कानूनों के खिलाफ अजमेर में कांग्रेस ने किया पैदल मार्च

अजमेर राजस्थान के अजमेर में राज्यव्यापी आंदोलन के तहत अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलनरत किसानों के समर्थन में कांग्रेसियों ने पैदल मार्च आयोजित कर विरोध प्रदर्शन किया। अजमेर शहर कांग्रेस के बाबू मोहल्ला स्थित कार्यालय से पैदल मार्च शहर के विभिन्न बाजारों से होता हुआ आगरा गेट पहुंचा। पूरे रास्ते कांग्रेसजनों ने काले कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के साथ मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। इस अवसर पर निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि केन्द्र सरकार को तीन महीनों से सड़कों पर आंदोलनरत देश के किसानों पर ध्यान देकर कानून वापस लेना चाहिए।

18वें ग्रैंडस्लैम खिताब पर नोवाक जोकोविच की नजरें, मेदवेदेव की पहले ग्रैंडस्लैम खिताब पर

मेलबर्न। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल में उतरेंगे तो उनकी नजरें मेलबर्न पार्क पर नौवे और कैरियर के 18वें ग्रैंडस्लैम पर लगी होंगी जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी दानिल मेदवेदेव पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। जोकोविच से ज्यादा ग्रैंडस्लैम पुरूष टेनिस में रोजर फेडरर और रफेल नडाल ने जीते हैं जिनके नाम 20 खिताब हैं। मेदवेदेव अमेरिकी ओपन फाइनल हार गए थे और इस बार वह पहले ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहते। उन्होंने कहा ,'' मुझे पता है कि उन्हें हराने के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शायद पांच घंटे भी खेलना पड़ जाये और एक चूक भी भारी पड़ सकती है।''

उन्होंने कहा ,'' लेकिन ग्रैंडस्लैम फाइनल खेलना और वह भी जोकोविच जैसे खिलाड़ी के खिलाफ। यह ही अपने आप में सबसे बड़ी प्रेरणा है।'' जोकोविच मई में 34 साल के हो गए और वह 15 साल से अपना दबदबा कायम करने वाले फेडरर तथा नडाल की जमात के खिलाड़ी हैं जबकि 25 वर्ष के मेदवेदेव विश्व टेनिस की अगली पौध के प्रतिनिधि हैं। फेडरर, नडाल और जोकोविच ने मिलकर पिछले 15 में से 14 ग्रैंडस्लैम जीते हैं।डोमिनिक थीम ने पिछले साल अमेरिकी ओपन जीता था। जोकोविच का आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल और फाइनल में रिकार्ड 17 . 0 का रहा है। अगर नडाल को लाल बजरी का बादशाह कहा जाता है तो मेलबर्न पार्क के धुरंधर जोकोविच हैं। जोकोविच ने कहा ,'' मैं यहां जितनी बार जीतता हूं, उतना ही अगली बार बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है।'' दूसरी ओर दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी रूस के मेदवेदेव पिछले सत्र से लगातार 20 मैच जीत चुके हैं और 12 बार उन्होंने जोकोविच समेत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ियों को हराया है।

मुंबई में पेट्रोल 97 रुपये प्रति लीटर, डीजल 88 रुपये के पार

नयी दिल्ली पेट्रोल की कीमत ने शनिवार को मुंबई में 97 रुपये प्रति लीटर के उच्च स्तर को छू लिया, जबकि डीजल के दाम 88 रुपये के स्तर को पार कर गए। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार शनिवार को पेट्रोल की कीमत में रिकॉर्ड 39 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 37 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही कीमतों में लगातार 12वें दिन बढ़ोतरी हुई और यह तेल कंपनियों द्वारा 2017 में कीमतों की दैनिक समीक्षा शुरू किए जाने के बाद एक दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। इसके साथ ही दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 90.58 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 97 रुपये हो गई। डीजल अब राष्ट्रीय राजधानी में 80.97 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 88.06 रुपये में मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उछाल आने के बाद घरेलू बाजार में भी कीमतों पर असर पड़ा है। गौरतलब है कि भारत अपनी तेल संबंधी 85 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। अमेरिका में ऊर्जा संकट के चलते इस सप्ताह ब्रेंट तेल की कीमत 65 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई थी। पिछले 12 दिनों में पेट्रोल की खुदरा कीमतों में 3.63 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल 3.84 रुपये महंगा हुआ। पेट्रोल की कीमत पहले ही राजस्थान और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गई है। खुदरा पंप पर कीमतें स्थानीय करों (वैट) और माल भाड़े के आधार पर अलग-अलग होती हैं।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर वित्त मंत्री का बयान, कहा गंभीर मुद्दा है, केंद्र और राज्य सरकारें करें चर्चा

नई दिल्ली देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आसमान छू रही हैं। आज लगातार 12वें दिन पेट्रोल और डीजल में भारी बढ़ोतरी हुई। तेल की लगातार बढ़ रही कीमतों से जनता परेशान है और विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमणने इस मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर और अहम मुद्दा है। केंद्र और राज्य सरकारों को उपभोक्ताओं को उचित स्तर पर खुदरा ईंधन उपलब्ध कराने के लिए बात करनी चाहिए। शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल 39 पैसे प्रति लीटर चढ़कर 90.58 रुपये पर चला गया। डीजल भी 37 पैसे का छलांग लगा कर 80.97 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। इस समय लगभग हर शहरों में दोनों ईंधनों के दाम ऑल टाइम हाई (।सस ज्पउम भ्पही) पर चल रहे हैं। देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के ऊपर चली गई है। तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस आज कई राज्यों में प्रदर्शन कर रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार के राज में केवल महंगाई का विकास हो रहा है। इस बीच ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के चेयरमैन बाल मलकीत सिंह ने केंद्रीय करों में कटौती करके डीजल की कीमतों में तुरंत कमी करने की मांग की है। उन्होंने कहा, वैल्यू एडेड टैक्स में कटौती के लिए केंद्र सरकार को राज्यों को तुरंत एडवाइजरी जारी करनी चाहिए और पूरे देश में डीजल की कीमत बराबर होनी चाहिए। सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी मांग को पूरा करने के लिए सरकार को 14 दिन का समय दिया है। अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो हमारे पास देशभर में रोड ट्रांसपोर्ट सर्विसेज रोकने के अलावा कोई चारा नहीं रहेगा। पेट्रोल की खुदरा कीमत में केंद्र और राज्य के करों का हिस्सा 61 फीसदी है जबकि डीजल की कीमत में यह 56 फीसदी है। उदाहरण के लिए दिल्ली में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत में सेंट्रल एक्साइड ड्यूटी 32.9 रुपये और स्टेट वैल्यू एडेड टैक्स 20.61 रुपये है। पेट्रोल की बेस कीमत, प्रेट और डीलर कमीशन का कुल हिस्सा 35.78 रुपये है।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी में वापसी करेगी भारतीय पुरुष टीम, यूरोप दौरे के लिए होगी रवाना

नयी दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम इस महीने जर्मनी और बेल्जियम के दौरे से तोक्यो ओलंपिक की तैयारियां शुरू करेगी जो पिछले साल मार्च में कोरोना महामारी के बाद से उसका पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा। भारतीय टीम के 22 खिलाड़ियों और छह सहयोगी स्टाफ का दल रविवार को बेंगलुरू से जर्मनी के क्रेफेल्ड के लिये रवाना होगा जहां वे मेजबान टीम से 28 फरवरी और दो मार्च को खेलेंगे। इसके बाद भारतीय टीम एंटवर्प जायेगी जहां उसे ब्रिटेन से छह और आठ मार्च को खेलना है। भारतीय टीम की कप्तानी गोलकीपर पी आर श्रीजेश को सौंपी गई है जबकि ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह उपकप्तान होंगे। नियमित कप्तान मनप्रीत सिंह, ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह, अनुभवी फारवर्ड एस वी सुनील और वरूण कुमार टीम में नहीं है। समझा जाता है कि मनप्रीत निजी कारणों से टीम से बाहर हैं जबकि रूपिंदर और वरूण चोटिल हैं। भारतीय टीम ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पिछले साल फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग खेला था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम एफआईएच विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।भारतीय टीम जनवरी से बेंगलुरू में अभ्यास कर रही है। महिला टीम ने पिछले महीने अर्जेंटीना का दौरा किया था जबकि जूनियर महिला टीम चिली दौरे पर गई थी। भारतीय पुरूष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा ,'' हमें खुशी है कि यूरोप दौरे का मौका मिला है और हम 12 महीने में पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे।'' उन्होंने कहा ,'' जर्मनी और ब्रिटेन जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से काफी अनुभव मिलेगा। इससे हीरो प्रो लीग और ओलंपिक की तैयारी मजबूत होगी।'' हरमनप्रीत ने कहा ,'' हम एक साल में पहले दौरे से काफी रोमांचित है। जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ खेलकर हम अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकेंगे।

एयर इंडिया के दो कर्मचारियों ने शूटर मनु भाकर का किया अपमान

नयी दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक में पदक की उम्मीद निशानेबाज मनु भाकर ने दिल्ली से भोपाल की उड़ान लेते समय एयर इंडिया के दो कर्मचारियों द्वारा कथित तौर पर 'अपमान' और 'उत्पीड़न' किये जाने के कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रमंडल खेल और युवा ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता 19 वर्ष की पिस्टल निशानेबाज मनु खेलमंत्री किरेन रीजीजू के दखल के बाद ही विमान में बैठ सकी। मनु ने इसके लिये खेलमंत्री को धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि दिल्ली में एयर इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। एयर इंडिया ने भी अपने कर्मचारियों के बर्ताव के लिये माफी मांगी है। मनु ने कहा ,'' मैने जो अपमान और उत्पीड़न झेला, उसके लिये वे जिम्मेदार है। अपने कर्मचारियों (मनोज गुप्ता और एक अन्य सुरक्षाकर्मी) को बचाने की कोशिश करके एयर इंडिया अपनी छबि और खराब करेगा।'' उन्होंने कहा ,'' एयर इंडिया अब कह रहा है कि वे सिर्फ दस्तावेज मांग रहे थे और अपना काम कर रहे थे लेकिन मुझे यकीन है कि सीसीटीवी में सब रिकार्ड होगा। आप देख सकते हैं।उन्होंने मेरा मोबाइल छीना और मेरी मां की खींची तस्वीर डिलीट की।'' रीजीजू ने इस मसले का जिक्र करते हुए मनु को 'भारत का गौरव' बताया। एयर इंडिया ने ट्वीट किया ,'' हम आपको हुई असुविधा के लिये क्षमाप्रार्थी हैं। हम इस मसले की विस्तार से जानकारी आपके मोबाइल नंबर के साथ चाहते हैं ताकि आपकी आगे सहायता कर सकें।''

65 की उम्र में भी एकदम फिट हैं रेखा

बॉलीवुड की एवरग्रीन ब्यूटी रेखा जी आज अपना 64वां जन्मदिन मना रही है। आज भी उन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता कि वह 64 साल की हो गई हैं। इस उम्र में भी वह युवा हिरोइनों को मात देती हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी फिट फिगर का राज आखिर है क्या? चलिए जानते हैं आज भी एकदम फिट दिखने वाली रेखा जी का फिटनेस सीक्रेट।

शाकाहारी भोजन लेती हैं रेखा

रेखा जी बताती है कि वह शुद्ध शाकाहारी भोजन ही लेती हैं। वह हरी सब्जियों, दही और सलाद का सेवन जरूर करती हैं। इसके अलावा उन्हें चावल की बजाए रोटी खाना ज्यादा पसंद है। रेखा का मानना है कि पोषणयुक्त भोजन ही लंबी उम्र तक स्वस्थ रखने में मददगार होता है।

जल्द खा लेती हैं खाना

समय पर भोजन करना भी उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा है और इसलिए वह रात 7:30 बजे तक भोजन कर लेती है।

भरपूर पानी का सेवन

रोजाना 10-15 गिलास पानी का सेवन भी उनकी दिनचर्या में शामिल हैं। इससे उनका शरीर डिटॉक्सीफाई होता है, जिससे बीमारियां आस-पास भी नहीं फटकती।

समय पर लेती हैं नींद

रेखा जी का मानना है कि स्वस्थ और एनर्जी से भरे रहने के लिए जरूरी है जल्दी सोना, सुबह जल्दी उठना और बेहतर नींद लेना।

हमेशा रहती हैं तनावमुक्त

रेखा अनुशासन के साथ-साथ तनावमुक्त जीवन जीती हैं। उनका कहना है कि तनावमुक्त और खुश रहने के साथ कई स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से बचे रहते हैं।

व्यायाम और योग

रेखा फिट और एक्टिव रहने के लिए रोज 10-15 मिनट व?यायाम करती हैं। इसके साथ ही योग और ध्यान भी उनके फिटनेस रूटीन में शामिल है। उनका मानना है कि न सिर्फ आपको स्वस्थ रखता हैं बल्कि इससे चेहरे पर ग्लो भी आता है।

डांस और घरेलू काम

डांस और घर के काम करना रेखा जा को बहुत अच्छा लगता है।

उनका मानना है कि घरेलू कामों, बागवानी और डांस करना भी एक तरह की एक्सरसाइज ही हैं। इतना ही नहीं इनकी मदद से आप लंबी उम्र तक स्वस्थ रह सकते हैं।

नीले नीले अंबर से पहचान बनाने वाले सिंगर नितिन बाली की सड़क हादसे में हुई मौत

90 के दशक सुपरहिट गाने नीले-नीले अंबर पर के रिमिक्स से पहचान बनाने वाले सिंगर नितिन बाली की 47 की उम्र में एक सड़क हादसे में दर्दनाक

मौत हो गई है। खबरों के मुताबिक सड़क हादसे में घायल होने के बाद नितिन ने अस्पताल से घर पहुंचकर दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक नितिन बाली सोमवार को मलाड से बोरीवली की ओर अपने घर के लिए निकले थे। इस दौरान उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनके चेहरे पर लगी चोटों का इलाज किया गया। इसके बाद उन्हें रिलीव कर दिया गया था। घर पहुंचने के थोड़ी देर बाद नितिन बाली को खून की उल्टियां होने लगीं। उनका बीपी तेजी से गिरने लगा और वह बेहोश हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें वापस अस्पताल लेकर आए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बारे में सिंगर की भतीजी ने ऑफिसियल स्टेटमंट देते हुए मौत की पुष्टि की है। कहा जा रहा है कि नितिन का अंतिम संस्कार बुधवार को किया जाएगा। बता दें कि नितिन की पत्नी रोमा बाली भी जानी पहचानी अभिनेत्री हैं। रोमा इन दिनों सीरियल सलिसलिा बदलते रश्तिों का में मौली की मां की भूमिका नभिा रही है।नितिन 1998 में इंडस्ट्री में ना जाने नाम से आए एल्बम के जरिए कदम रखा था। 90 के दशक में नीले-नीले अंबर पर गाने का रिमिक्स वर्जन रिलीज किया था और उन्हें इससे खूब लोकप्रियता मिली थी। हालांकि, इसके बाद वह इंडस्ट्री से गायब भी जल्दी ही हो गए थे।

बॉलीवुड के इन स्टार्स ने शुरू किया बॉडी बनाने का सिलसिला, एक पर आज भी देश को है गर्व

आज के समय में बॉलीवुड इंजस्ट्री में एंट्री के लिए बॉडी बनना सबसे जरूरी है। बिना अच्छी बॉडी और फिटनेस के कोई भी नहीं पूछता। लेकिन पुराने जमाने में फिल्मों में काम करने के लिए बॉडी बनाने की जरूरत बिलकुल भी नहीं पड़ती थी। वहीं आज कल की जनरेशन को भी ऐसे ही एक्टर पसंद आते हैं जिनकी बॉडी अच्छी हो। आज हम आपको बॉलीवुड के उन स्टार्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपनी बॉडी और फिटनेस की वजह से जाने जाते हैं। इतना ही नहीं इन स्टार्स ने ही इंडस्ट्री में फिटनेस को पहल दी है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम भारत के लेजेंड दारा सिंह का आता है। सबसे पहले बॉडी बनाने का सिलसिला दारा सिंह ने ही शुरू किया था। रामानंद सागा की रामायण में उन्होंने हनुमान का किरदार निभाया था। उनके इस किरदार को लोगों ने काफी पसंद भी किया। इतना ही नहीं अपनी पहलवानी से इन्होने देश का कई बार नाम रोशन किया है। बॉलीवुज एक्टर संजदय दत्त ने अपनी फिटनेस की तरख काफी

ध्यान दिया। वहीं 58 साल के बाद भी संजय दत्त आज भी फिट हैं। देश में इनकी फैन फोलोविंग इसी बात से पता चल जाती है कि इनके जीवन पर बने फिल्म 'संजू' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. सनी देओल ने फिल्म 'बेताब' से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि इनकी जिम वाली जबरदस्त बॉडी नहीं है लेकिन आज भी वो काफी ताकतवर दिखाई पड़ते हैं। अपने करियर के शुरुआत से इनकी बॉडी जबरदस्त रही है। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने अपनी फिटनेस और बॉडी बनाकर सभी को हैरान कर दिया था। उनकी कई फिल्मों में उनकी बॉडी जबरदस्त रही है, इनमे विनाशक, मोहरा, भाई आदि कई बड़ी फिल्में शामिल हैं। आखिर में आते हैं सलमान खान, जिन्होंने अपनी बॉडी से सभी को हैरान कर दिया। सलमान बॉलीवुड के इकलौते हीरो हैं, जिनकी बॉडी की प्रशंसा पूरी इंडस्ट्री करती है। काफी समय से इन्होने अपनी बॉडी और फिटनेस की तरफ पूका ध्यान दिया। लाखों लड़कियां सलमान की बॉडी की फैंस हैं।

कैंसर से जूझ रही सोनाली ने शेयर की इमोशनल पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे इन दिनों न्यूयॉर्क में कैंसर का इलाज करवा रही हैं।फैंस से लेकर स्टार्स सोनाली की सलामती की दुआएं मांग रहे हैं। हाल ही में सोनाली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- मुझे पता है कि अगर मैंने डर को खुद पर हावी होने दिया तो मेरी यात्रा निराशाजनक हो जाएगी। डर काफी हद तक एक ऐसी कहानी से पैदा होता है जिसे हम खुद बताते हैं और मैंने एक अलग तरह की कहानी बताने का फैसला किया। मैंने फैसला किया कि मैं सुरक्षित थी। मैं मजबूत थी। मैं बहादुर थी। मुझे कुछ भी खत्म नहीं कर सका - चेरिल स्ट्रेयड वाइड। इसके बाद सोनाली बेंद्रे बताया कि किस तरह उन्होंने अपने अच्छे और बुरे दिनों का सामना किया। उन्होंने लिखा, ऐसे दिन रहे हैं जब मैं शरीर में बेहद थकान महसूस करती थी और एक उंगली उठाने में भी बहुत दर्द होता था। मुझे लगता है कई बार यह एक चक्र की तरह होता है जो शारीरिक दर्द से शुरु होता है और मानसिक और भावनात्मक स्तर की ओर ले जाता है। ऐसे कई बुरे दिन रहे हैं जैसे कीमोथेरेपी या सर्जरी के बाद, यहां तक कि हंसने में भी दर्द होता था। बता दें कि आए दिन सोनाली पोस्ट शेयर कर अपने परिवार और दोस्तों को याद कर रही हैं। फैंस से लेकर स्टार्स सोनाली की सलामती की दुआएं मांग रहे हैं। सोनाली ने 4 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी बीमारी के बारे में बताया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No.
UPHIN/2010/33668
Email Id.
andazelucknow@gmail.com
उप सम्पादक: मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला,
छायाकार : सदफ हसन ½शान½
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।